2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN-HE-5026

(हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा)

(Honours Elective)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) हिन्दी साहित्य में कौन 'राष्ट्रकवि' की आख्या से जाने जाते हैं?

(ख) 'भारत का यह रेशमी नगर' शीर्षक कविता में भारत के कौन-से नगर की बात कही गई है?

(ग) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता का मूल स्वर क्या है?

(घ) माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यिक उपनाम क्या है?

(ङ) झाँसी की रानी कौन थीं?

(च) 'स्वदेश के प्रति' शीर्षक कविता में कवयित्री ने कौन-सी भावना व्यक्त की है?

(छ) 'रक्षा करो देवता' किसकी कविता है?

(ज) अवकाश को किसने बुरा कहा है?

(झ) मैथिलीशरण गुप्त का देहावसान किस ईस्वी को हुआ था?

(ञ) 'व्यथित हृदय' कविता का मूल स्वर क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) कवि ने नेतावर्ग को कुर्सी छोड़ने को क्यों कहा?

(ग) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता का संदेश क्या है?

(घ) कवयित्री के अनुसार वीर वसंत कैसे मनाते हैं?

(ङ) भारत ने संसार को किन विषयों का ज्ञान दिया था?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'हमारी सभ्यता' शीर्षक कविता का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

(ख) "वृद्धता भले बँध रहे रेशमी धागों से,
साबित इनको, पर, नहीं जवानी छोड़ेगी।"

प्रस्तुत काव्य-पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'जनतंत्र का जन्म' कविता के आधार पर बताइए कि लोकतांत्रिक देश में जनता का जागरूक होना क्यों आवश्यक है।

(घ) 'आ गए ऋतुराज' कविता का सारांश प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) 'झाँसी की रानी' शीर्षक कविता में भारत को 'बूढ़ा' कहते हुए उसमें 'नयी जवानी' आने की बात कहकर कवयित्री क्या बताना चाहती हैं?

(च) 'सिपाहिनी' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क)
क्या वीणा की स्वर-लहरी का
सुनूँ मधुरतर नाद?
छिः! मेरी प्रत्यंचा भूले
अपना यह उन्माद।
झंकारों का कभी सुना है
भीषण वाद-विवाद?
क्या तुमको है कुरुक्षेत्र
हलदी-घाटी की याद।

अथवा

चलूँ माँ के पद-पंकज पकड़
नयन जल से नहलाऊँ आज।
मातृ-मन्दिर में—मैंने कहा—
चलूँ दर्शन कर आऊँ आज॥

(ख) हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है।
जनता की रोके राह समय में ताव कहाँ?
वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।

अथवा

"मनुष्य मात्र बन्धु है" यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परन्तु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) "माखनलाल चतुर्वेदी की कविता का मूल स्वर देशप्रेम और राष्ट्रीय जागरण है।" पठित कविताओं के आधार पर विवेचन कीजिए।

(ख) "'भारत की श्रेष्ठता' शीर्षक कविता में कवि ने भारत के श्रेष्ठत्व का वर्णन किया है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) पठित कविताओं के आधार पर रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविताओं के प्रमुख स्वरों को रेखांकित कीजिए।

(घ) राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

★★★